

V8. 14/85
16/6/04



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

Rs. 400
km. 30
Depth. 150
CPB. 220

सं. 170]
No. 170]

नई दिल्ली, बुधवार, मार्च 31, 2004/चैत्र 11, 1926
NEW DELHI, WEDNESDAY, MARCH 31, 2004/CHAITRA 11, 1926

पोत परिवहन मंत्रालय

(पत्तन पक्ष)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 31 मार्च, 2004

पुरा विद्या

प्र. 1
रा. 140 एकक

सा. का. नि. 237(अ).— केन्द्र सरकार, महापत्तन न्यास अधिनियम, 1963 (1963 का 38) की धारा 132 की उपधारा (1) के साथ पठित धारा 124 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मुरगांव पत्तन न्यास के न्यासी मंडल द्वारा बनाए गए और इस अधिसूचना के साथ संलग्न अनुसूची में दर्शित मुरगांव पत्तन कर्मचारी (पूरक छुट्टी) संशोधन विनियम 2004 का अनुमोदन करती है।

2. ये विनियम इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से लागू होंगे।

अनुसूची

मुरगांव पत्तन कर्मचारी (पूरक छुट्टी) (संशोधन) विनियम, 2004

महापत्तन न्यास अधिनियम 1963 (1963 का 38) की धारा 124(1) तथा (2) के साथ पठित धारा 28 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मुरगांव पत्तन का न्यासी मंडल मुरगांव पत्तन कर्मचारी (पूरक छुट्टी) विनियम 1966 में आगे और संशोधन करने हेतु निम्नलिखित विनियम बनाता है, यथा:-

1. i) इन विनियमों को मुरगांव पत्तन कर्मचारी (पूरक छुट्टी) (संशोधन) विनियम, 2004 कहा जाएगा

ii) ये विनियम सरकारी राजपत्र में केन्द्र सरकार की मंजूरी प्रकाशित होने की तारीख से लागू होंगे .

2. मुरगांव पत्तन कर्मचारी (पूरक छुट्टी) विनियम, 1966 के मौजूदा विनियम - 6(3) को निम्नलिखित से प्रतिस्थापित किया जाए :

" 6.3 - पैतृक छुट्टी:

- 1) जिस पुरुष कर्मचारी (प्रशिक्षु सहित) के दो से कम जीवित बच्चे हों उसे अपनी पत्नी के प्रसवकाल के दौरान बच्चे के जन्म की तारीख से 15 दिन पहले अथवा छह महीने बाद तक सक्षम प्राधिकारी द्वारा 15 दिन की पैतृक छुट्टी मंजूर की जाएगी .
- 2) इन 15 दिनों की इस अवधि में छुट्टी पर जाने से पहले उसे छुट्टी जाने के पहले प्राप्त होने वाले वेतन के समतुल्य छुट्टी वेतन दिया जाएगा .
- 3) पैतृक छुट्टी को अन्य किसी भी प्रकार की छुट्टी के साथ जोड़ा जा सकता है .
- 4) पैतृक छुट्टी को छुट्टी खाते में जमा नहीं किया जाएगा .
- 5) यदि पैतृक छुट्टी उप विनियम (1) में उल्लिखित अवधि के भीतर नहीं ली जाती है तो उसे कालातीत माना जाएगा .

टिप्पणी: सामान्यतः पैतृक छुट्टी को किसी भी परिस्थिति में नामंजूर नहीं किया जाएगा ."

मूल विनियम: इन्हें गोवा, दमन और दीव राज्य के राजपत्र में प्रकाशित किया गया था . देखें . अनुक्रम सं. 29 दिनांक 19/10/1967.

अनुवर्ती संशोधन :

- (i) भारत के राजपत्र में प्रकाशित केन्द्र सरकार की मंजूरी सं. पीआर 12016/7/96 - पीई - 1 दिनांक 7/2/1997 देखें, सा.का.नि.सं. 66(ई) दिनांक 7/2/1997.
- (ii) भारत के राजपत्र में प्रकाशित केन्द्र सरकार की मंजूरी सं. पीआर 12016/8/98-पीई - 1 दिनांक 4/6/1998 देखें, सा.का.नि.सं. 66(ई) दिनांक 7/6/1998.
- (iii) भारत के राजपत्र में प्रकाशित केन्द्र सरकार की मंजूरी सं. पीआर 12016/20/99-पीई -1 दिनांक 31/12/1999 देखें, सा.का.नि.सं. 66(ई) दिनांक 31/12/1999.

[मिसिल संख्या पी आर 12016/4/2003-पी ई 1]

आर. के. जैन, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF SHIPPING

(Ports Wing)

NOTIFICATION

New Delhi, the 31st March, 2004

G.S.R. 237(E).— In exercise of the powers conferred by Sub-Section (1) of Section 124, read with Sub-section (1) of Section 132 of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963), the Central Government hereby approves the Mormugao Port Employees' (Supplementary Leave) Amendment Regulations, 2004 made by the Board of Trustees of Mormugao Port Trust as set out in the Schedule annexed to this Notification.

2. The said Regulations shall come into force from the date of publication of this Notification in the Official Gazette.

SCHEDULE**MORMUGAO PORT EMPLOYEES' (SUPPLEMENTARY LEAVE) (AMENDMENT) REGULATIONS, 2004.**

In exercise of the powers conferred by Section 28 read with Sections 124 (1) and (2) of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963), the Board of Trustees of the Port of Mormugao hereby makes the following Regulations further to amend the Mormugao Port Employees' (Supplementary Leave) Regulations, 1966 viz.

1. (i) These Regulations may be called the Mormugao Port Employees' (Supplementary Leave) (Amendment) Regulations, 2004.
- (ii) They shall come into force with effect from the date on which the Central Government's approval to these Regulations have been published in the Official Gazette.

2. Substitute the existing Regulation 6(3) of the Mormugao Port Employees' (Supplementary Leave) Regulations, 1966 with the following:

"6.3 – Paternity Leave:

- (1) A male employee (including an apprentice) with less than two surviving children, may be granted Paternity Leave by an authority competent to grant leave for a period of 15 days, during the confinement of his wife for childbirth, i.e. upto 15 days before, or up to six months from the date of delivery of the child.
- (2) During such period of 15 days, he shall be paid leave salary equal to the pay drawn immediately before proceeding on leave.
- (3) The Paternity Leave may be combined with leave of any other kind.
- (4) The Paternity Leave shall not be debited against the leave account.
- (5) If Paternity Leave is not availed of within the period specified in sub-regulation (1), such leave shall be treated as lapsed.

NOTE:- The Paternity Leave shall not normally be refused under any circumstances.

FOOT NOTE:

PRINCIPAL REGULATIONS: Published in the Goa, Daman & Diu State Gazette vide Series 1 no. 29 dated 19/10/1967.

SUBSEQUENT AMENDMENTS:

- (i) Central Government's Sanction No. PR-12016/7/96-PE.I dated 7/2/1997 published in the Gazette of India vide G.S.R. No. 66(E) dated 7/2/1997.

- (ii) Central Government's Sanction No. PR-12016/8/98-PE.I dated 4/6/1968 published in the Gazette of India vide G.S.R. No. 333(E) dated 7/6/1998.
- (iii) Central Government's Sanction No. PR-12016/20/99-PE.I dated 31/12/1999 published in the Gazette of India vide G.S.R. No.6(E) dated 31/12/1999.

[F. No. PR- 12016/4/2003-PE-1]

R. K. JAIN, Jt. Secy.